डॉ० अनुजा कुमारी
(इतिहास विभाग)
एस० एन० एस० आर० के० एस कॉलेज
सहरसा

Scanned with CamScanner

(21) प्रश्न — जार्ज प्रथम एवं जार्ज द्वितीय का संवैधानिक महत्व ?

उत्तर :→ इंगलैंड के इतिहास में हैनोवर राजा जार्ज प्रथम और जार्ज द्वितीय के शासन काल का बहुत अधिक महत्व है। इन जर्मन राजाओं के योगदान से इंगलैंड काफी लाभान्वित हुआ। एक इतिहासकार ने लिखा भी है — "George I and II (1714–1760) were Germans their their contribution to England was a negative or but new two leb useful" लेकिन वास्तविकता की गहराई में अगर हम झाँकते हैं तो हमें ऐसा महसूस होता है कि इन दोनों हैनोवर राजाओं ने England के लिए कुछ नहीं किया। लेकिन दोनों के आगमन से ही इंगलैंड के इतिहास में महान परिवर्तन हुआ Adams ने लिखा है — " The successim of the Hamover's worked a point of transition is history of England" यह सही है कि इंगलैंड का शासन बहुत दिनों तक हैनोवर राजवंश के हाथ में रहा। परन्तु उसका राज्यारोहण काल इंगलैण्ड के संवैधानिक इतिहास में विशेष महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि इन विदेशी राजाओं के आने से इंगलैंड के राजनीतिक जीवन में महान परिवर्तन हुआ और इससे लाभान्वित भी हुआ।

हैनोवर वंशीय राजा जार्ज प्रथम के राज्यारोहन के साथ ही इंगलैंड की बहुत सारी बातें बदल गई। इंगलैंड में आधुनिक मंत्रीमंडलीय पद्दति का विकास उस राज्यारोहण के साथ प्रारंभ

Scanned with CamScan

हुआ इसीलिए Adams ने लिखा है — " Succession of George I mark the begning of epoched an formative in deviopment of cabinet government"
इसी ढंग का वर्णन मैरियट ने भी कहा है — " The succession of the first soverign of the house of Hauover to the throne of england marks the real point of transition to the deviopment of the cabinet system in england" अभी तक इंगलैंड के मंत्रीमंडल के सदस्यों की नियुक्ती राजा ही करता था और उसकी बैठकों का समाणतित्व भी करता था। लेकिन हैनीवर राज्यारोहन के साथ ही बात बदल गई। इस वंश का प्रथम राजा जार्ज प्रथम काफी बूढा एवं विदेशी था। वह अंग्रेजी भाषा एवं राजनीति से भिन्न था। उसका लड़का जार्ज द्वितीय के साथ भी यही बात थी। वह बहुत अंग्रेजी जनता था। लेकिन स्पष्ट तरीके से नही बोल सकता था। राजा और मंत्री टुटी फुटी लैटिन भाषा में किसी तरह अपना भाव प्रकट करते थे। इन सब कारणों से जार्ज प्रथम और जार्ज द्वितीय मंत्रीमंडल के बैठक में नहीं आने लगे।

राजा की अनुपस्थिति मे उनका योग्य मंत्री की मंत्रीमंडलीय का बैठक में सभापति का पद ग्रहण करने लगा। ये सभापति के पद ग्रहण करने वाले मंत्री ही प्रधानमंत्री कहलाने लगे और वे ही राजाओं के बदले अपने सहयोगियों की नियुक्ती करने लगे। इस तरह गौरवपूर्ण राज्यक्रान्ति ने जिस कार्य को अधुरा छोड दिया था, वह

कार्य अब पुरा हो गया। किसी इतिहासकार ने लिखा है — "The work of the Revolution of 1688 was completed 1715"
इस तरह विदेशी शासक के आगमन से इंगलैंड में प्रधानमंत्री के पहला विकास हुआ। किसी इतिहासकार ने लिखा भी है — "The act of Settle ment and a foreign sovereign gave here a Prime minister"
अब देश का भार राजा मंत्रीयों के सम्मत से निर्णय करने लगा। Cabinet के निर्णयों की सुचना राजा के द्वारा भेज दी जाती थी। परन्तु राजा उसको बिना अदल बदल किए ही उसे स्वीकार कर लेता था। इसी समय से यह प्रथा चली कि संसद के पास हुई कानुन को राजा अस्वीकार नहीं कर सकता।

मंत्रीमंडलीय पद्धति के विकास के साथ-साथ House of commons की भी प्रधानता स्थापित हो गई। 1688-89 की क्रान्ति के फलस्वरूप देश के कानुन एवं व्यवस्था पर संसद का अधिकार हो गया। यह अधिकार House of common को विशेष रूप से प्राप्त थी। 1714 ई० के बाद House of commons का प्रभाव और भी बढ़ गया। शासन का उत्तरदायित्व राजा से हटकर मंत्रीयों पर चला गया, किन्तु मंत्रीगण स्वंय अपनी स्थिति के लिए House of commons पर निर्भर था। इस सभा से बहुमत दल का सहयोग न मिलने पर मंत्रीमंडल की स्थिति समाप्त हो जाती थी। अतः निति निर्धारण का अधिकार House of commons के हाथ ही चला आया ~~commons की प्रधानता के कारण राजा~~

Scanned with CamScanner

मंत्रीमंडलीय प्रणाली का विकास एवं

House of commons की प्रधानता के कारण राजा की स्थिती कमजोर हो गई। 17वीं शताब्दी की अपेक्षा 18वीं शताब्दी में और उसके बाद शक्तिहीन हो गया। अब मंत्रीयों पर और निति निर्धारण पर से इनका अधिकार जाता रहा।

इसतरह हेनोवर राज्यारोहण के समय मंत्रीमंडलीय पद्धति का विकास तो अवश्य हुआ, लेकिन अभी भी इसके पूर्व विकास में देर थी अभी Prime minister का पद लोकप्रिय पद नहीं था। अतः इस पद पर रहते हुए भी इस पद को इस नाम से पुकारना नहीं चाहते थे, और इस पद को अस्वीकार करते थे। अभी तक मंत्रीमंडल पद के लिए सामुहिक उत्तरदायित्व का सिद्धान्त स्थापित नहीं हो सकता था। सभी मंत्री व्यक्तिगत रूप से राजा को भिन्न-भिन्न रूप से राय दे सकते थे और एक ही साथ पद त्याग करने के लिए बाध्य नहीं थे। अभी भी मंत्री राजा के कृपापात्र माने जाते थे। सुसंगठित राजनीतिक दलों के अभाव में राजा का प्रभाव विशेषकर देखने को आता है। अतः मंत्रीमंडल के निर्माण और पतन में राजा का बहुत बड़ा हाथ रहा था।

इसप्रकार इस कार्य में मंत्रीयों को राजा और House of commons के बहुमत वाले दल रूपी दो मालिकों की सेवा करनी पड़ती थी। फिर भी इस कार्य में मंत्रीमंडलीय प्रणाली का इतना भी विकास होना कम महत्वपूर्ण बात नहीं है

हेनोवर राज्यारोहन के साथ Whing Party की प्रधानता बढ़ी। Whing Party ने जार्ज प्रथम

को इंगलैंड की गद्दी प्राप्त करने में सहायता पहुँचायी थी। अतः हैनोवर राजाओं के आशीर्वाद पाने से काफी प्राधानता बढ़ी। अतः किसी ने ठीक ही लिखा है –" हैनोवर वंश के राज्यारोहन से केवल मंत्रीमंडलीय प्रणाली का ही विकास नहीं बल्कि 50 वर्षों के लिए Whig Party स्थापित हुआ।" Whig Party ने सरकार कायम की और संसद को स्थायित्व प्रदान की जो मंत्रीमंडलीय पद्धति के लिए आवश्यक समझी जाती थी।

यह सही है कि मंत्रीमंडलीय पद्धति का विकास इस काल में पूर्णरूपेन नहीं हुआ, जिसके चलते इंगलैंड में जनतंत्र की स्थापना नहीं हो सका परन्तु जितना ही मंत्रीमंडलीय पद्धति का विकास हुआ उससे प्रजातंत्र का उतना रास्ता खुल गया, और फिर Party की सरकार भी बनी। इस घटना से भी प्रजातंत्र को प्रश्रय मिला जार्ज तृतीय ने तो Whig Party की प्रधानता को व्यक्तिगत शासन कायम करने के लिए खत्म ही कर दिया और Tory Party को प्रश्रय मिला। ये Tory राष्ट्र को प्रतिनिधित्व करती थी। लोकमत उसके पक्ष में था। इसतरह प्रजातंत्र को काफी सफलता मिली।

George I and George IInd के शासन काल में ह्विग पार्टी के मंत्रीयों को देश के शासन का भार मिला था। जिसके चलते सरकार की स्थापना इंगलैंड में हुई जब Whig and Tory Party England की राजनीति में विशेष रूप से लोकप्रिय होने के लिए प्रयत्नशील हुए तो वे दोनों दल आगे चलकर उदार और अनुदार होने लगे। इस तरह इसी काल में उदार दल और

अनुदार दल का बीजारोपन हुआ।

जार्ज प्रथम और जार्ज द्वितीय के शासनकाल में संविधान की कुछ अन्य विशेषताएँ भी सामने आयी। अब संसद में दो दल दृष्टिगोचर होने लगे। शासक दल और विरोधी दल का मुख्य कार्य था - शासक दल की निति और कार्यक्रमों की अलोचना करना और इसे सावधान करना। House of commons में बहुमत का समर्थन पाते ही सरकार बनाने के लिए उसे तैयार रहता था।

इसप्रकार जार्ज प्रथम और जार्ज द्वितीय के शासनकाल में बिना प्रयास किए ही इंगलैंड का संवैधानिक विकाश बहुत अधिक हुआ मंत्रीमंडलीय पद्दति का विकाश, और House of commons की प्रधानता बढ़ी ~~Walpole~~ प्रधानमंत्री पद का विकास हुआ। Walpole इंगलैंड का प्रथम प्रधानमंत्री हुआ। अतः निः सन्देह हम यह कह सकते है कि यह काल इंगलैंड का संवैधानिक काल था।

—x—

Scanned with CamScanner